

Setting up of Indian Vaccine Corporation Limited

4038. SHRI P. UPENDRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to set up a joint venture company, the Indian Vaccine Corporation Limited with French collaboration; and

(b) if so, what progress Government has been made in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA):

(a) Yes, Sir. The Government decided to set up in 1989 a joint venture company called Indian Vaccine Corporation Limited (IVCOL) with a equity participation between Government of India, Indian Petrochemicals Corporation Limited and Pasteur Merieux Serums and Vaccines (PMSV) Lyon, France for the production of anti-viral vaccines against poliomyelitis, measles and rabies.

(b) The joint venture company has made considerable progress in the establishment of the manufacturing unit at manesar village of Gurgaon district, Haryana in terms of civil construction of main buildings ordering of equipment and recruitment of scientific, technical, administrative personnel. The first batch of scientists is presently undergoing training at PMSV, Lyon, France. As per the present schedule manufacturing activities under Phase-I are expected to begin in 1993.

तकनीकी कामियों के लिए और अधिक रोजगार के अवसर जुटाने की योजना

4039. श्री महेन्द्र सिंह लाठर : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केवल 30 प्रतिशत प्रशिक्षित तकनीकी कामिक ही रोजगार प्राप्त कर पाते हैं और शेष 70 प्रतिशत या तो बेरोजगार रहते हैं या असंगठित क्षेत्र में काम करने के लिए बाध्य होते हैं ;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार तकनीकी कामियों और कुशल कर्मचारों

का देश से पलायन रोकने के उद्देश्य से उनके हेतु रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए कोई दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजना तैयार करने का विचार रखती है, और

(ग) यदि हाँ, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कामिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आवा) : (क) चूंकि अनेक तकनीकी व्यक्ति, रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीकरण नहीं करवाते हैं, इसलिए ऐसे व्यक्तियों की सही सही प्रतिशतता लगाना कठिन है। ऐसे अनेक व्यक्ति निजी क्षेत्र में नौकरी कर लेते हैं अथवा स्वरोजगार पसन्द कर लेते हैं। रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत व्यक्तियों में से भी कुछ व्यक्ति नियमित नौकरी मिलने पर उसकी रिपोर्ट रोजगार कार्यालयों को नहीं करते हैं।

(ख) और (ग) विशेष रोजगार कार्यक्रमों के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जाते हैं। आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए भी रोजगार एक मुख्य उद्देश्य है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में उद्यमवृत्ति विकास की एक विशेष योजना है जिसके द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी वाले व्यक्तियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान का बन्द किया जाना

4040. श्री विश्वासराव रामाराव पाटिल : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर को बन्द किए जाने का प्रस्ताव है; और यदि हाँ, तो उसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि महाराष्ट्र ने यह आपवासन दिया है कि संस्थान को पंजाबराव कृषि विषयविद्यालय के परिसर में भूमि प्रदान की जाएगी; और

(ग) यदि हाँ, तो सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है कि यह संस्थान बन्द न

प्रधान मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : (क) सी० एस० ग्राइ० ग्यार० फोल्ड/एक्सटेंशन/रीजनल केन्द्रों की कार्य निष्पादकता समीक्षा के अनुसरण में प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता वाली सी०एस०ग्राइ०ग्यार० सोसाइटी ने अन्य बातों के साथ-साथ यह निर्देश दिया कि नागपुर स्थित केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सी०एफ०डी०ग्यार०ग्राइ०) के केन्द्र को तभी जारी रखा जा सकता है जब राज्य सरकार निर्माकित से सहमत हो :

I. केन्द्र की पुनः स्थापना के लिए भूमि प्रदान करना; और,

II. 50 प्रतिशत व्यय वहन करना।

(ख) जी, हाँ।

(ग) महाराष्ट्र सरकार द्वारा व्यय 50 प्रतिशत वहन करने की स्वीकृति (सहमति) देने के बाद ही केन्द्र की पुनः स्थापना की जा सकती है।

Detection of Errors in Computer Software Installed in WIHG, (Wadia Institute of Himalayan Geology)

4041. SHRI S.S. AHLUWALIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Scientists, working in Wadia Institute of Himalayan Geology (WIHG), have detected defects in the computer software supplied by a private firm which has been in use in the WIHG since long;

(b) whether it is also a fact that consequent to the inherent defect in the software, incorrect calculations relating to

the research have been obtained leading the work of the scientists to waste ;

(c) if so, whether Government have taken appropriate steps to quantify and evaluate the loss caused by the error and to recover compensation from the software supplier ;

(d) whether the said software is also installed and used in the computers in several other centres of the Government, including in the Defence installations;

(e) whether the defective software has since been withdrawn from all the installations, if not, the reasons therefor; and

(f) whether Government are contemplating to suitably reward the scientists of WIHG who detected the defects and benefited the Nation.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA) : (a) Yes, Sir.

(b) A shortcoming in one software (COS inverse) function is reported to have led to incorrect calculations of data related to lattice parameters for about thirty rock samples after about four year of the systems commissioning/usage.

(c) to (c) There has been no loss on original data and the loss has been in terms of incorrect calculations owing to defect in one software function (COS Inverse). This was brought to the notice of the vendor who have suggested an alternative solution. The fact of detection of the defect in the software function in the Wadia Institute of Himalayan Geology has been brought to the notice of all Government Departments for necessary action.

(f) The efforts of the Scientists has been appreciated.

Technology Developed by Indian Space Research Organisation to be used as Import Substitute

4042. SHRI DHULESHWAR MEE-NA : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the technology developed by the Indian Space Research Organisation (ISRO), both within and outside the country, is not being properly utilised by the Industry; and